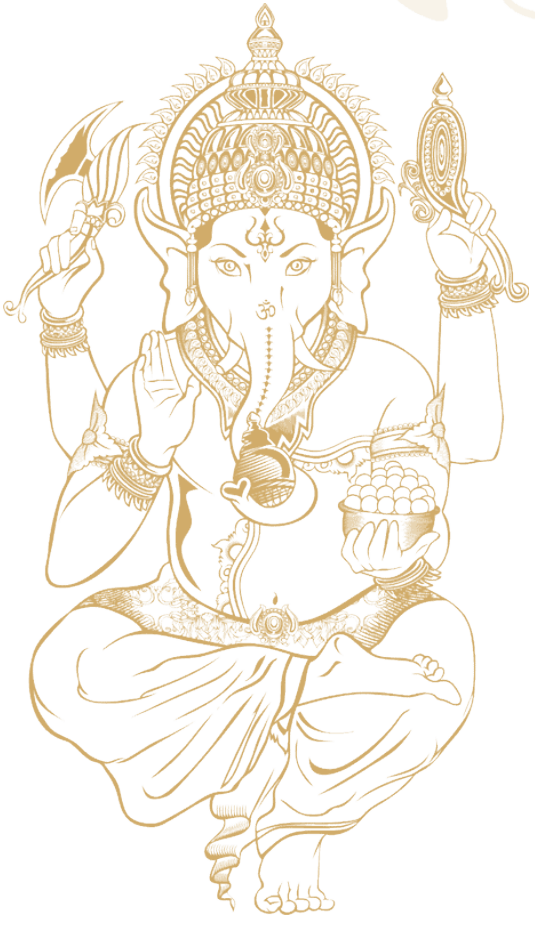

Lalit sangrail

01 Mar 1978

04:30 AM

Rohru

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121936104

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
28-01/03/1978	जन्म तिथि	**01/03/2026**
मंगल-बुधवार	दिन	रविवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	11:53:35 घंटे
घटी 54:15:26	जन्म समय(घटी)	12:48:15 घटी
India	देश	India
Rohru	स्थान	Rohru
उत्तर 31:12:00	अक्षांश	31:12:00 उत्तर
पूर्व 77:45:00	रेखांश	77:45:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:00	स्थानिक संस्कार	-00:19:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:47:49	सूर्योदय	06:46:16
18:16:37	सूर्यास्त	18:16:54
23:33:10	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:28

मकर	लग्न	वृष
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
तुला	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
विशाखा	नक्षत्र	आश्लेषा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	1
व्याघात	योग	शोभन
वणिज	करण	तैतिल
ते-तेजवन्त	जन्म नामाक्षर	डी-डिंपल
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
व्याघ्र	योनि	मार्जार
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	श्वान
48	गत/तत्कालिक वर्ष	49

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ	ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	2	02:10:43	मक		लग्न		वृष	24:21:13	1	मृगशिरा
शतभिषा	3	16:26:56	कुंभ		सूर्य		कुंभ	16:26:56	3	शतभिषा
विशाखा	3	28:20:23	तुला		चंद्र		कर्क	18:34:51	1	आश्लेषा
पुनर्वसु	3	28:44:11	मिथु	व	मंगल	अ	कुंभ	04:43:45	4	धनिष्ठा
शतभिषा	4	18:03:10	कुंभ	अ	बुध	व	कुंभ	27:37:46	3	पू०भाद्रपद
मृगशिरा	3	02:39:04	मिथु		गुरु	व	मिथु	21:01:21	1	पुनर्वसु
पू०भाद्रपद	2	25:33:51	कुंभ		शुक्र		कुंभ	29:19:20	3	पू०भाद्रपद
मघा	1	02:33:34	सिंह	व	शनि		मीन	07:31:53	2	उ०भाद्रपद
हस्त	1	12:32:52	कन्या		राहु	व	कुंभ	14:45:26	3	शतभिषा
उ०भाद्रपद	3	12:32:52	मीन		केतु	व	सिंह	14:45:26	1	पू०फाल्गुनी
विशाखा	1	22:48:54	तुला	व	मु		मक	02:10:43	2	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

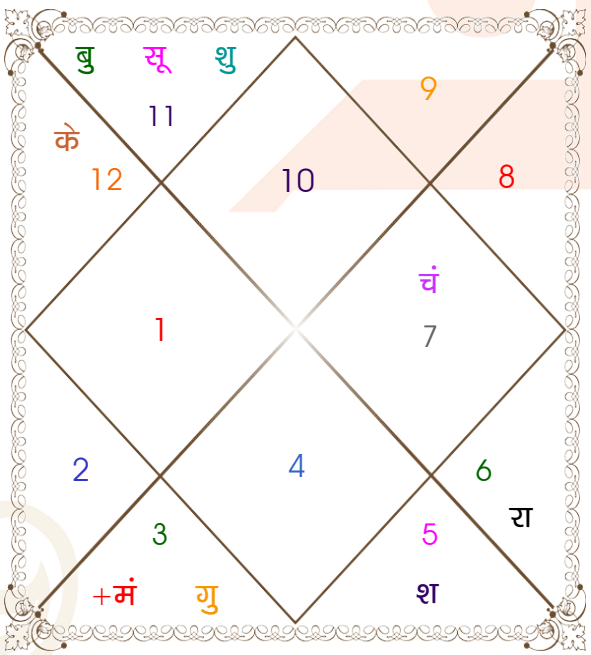

वर्ष लग्न कुंडली

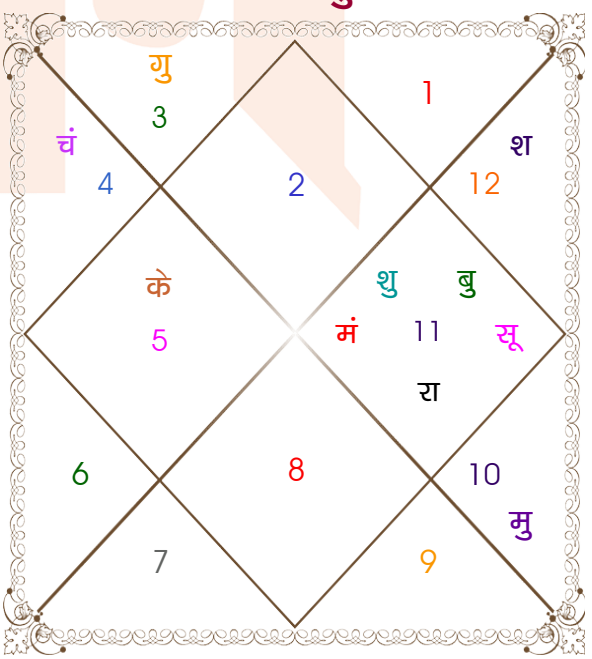

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - बुध - बुध		केतु - बुध - केतु		केतु - बुध - शुक्र		केतु - बुध - सूर्य	
01/03/2026 09:02		21/04/2026 16:32		12/05/2026 19:37		12/07/2026 04:27	
21/04/2026 16:32		12/05/2026 19:37		12/07/2026 04:27		30/07/2026 07:06	
बुध	08/03/2026 15:30	केतु	22/04/2026 22:07	शुक्र	22/05/2026 21:06	सूर्य	13/07/2026 02:11
केतु	11/03/2026 15:20	शुक्र	26/04/2026 10:38	सूर्य	25/05/2026 21:32	चंद्र	14/07/2026 14:24
शुक्र	20/03/2026 04:35	सूर्य	27/04/2026 11:59	चंद्र	30/05/2026 22:16	मंगल	15/07/2026 15:45
सूर्य	22/03/2026 18:09	चंद्र	29/04/2026 06:14	मंगल	03/06/2026 10:47	राहु	18/07/2026 08:57
चंद्र	27/03/2026 00:47	मंगल	30/04/2026 11:49	राहु	12/06/2026 12:06	गुरु	20/07/2026 18:54
मंगल	30/03/2026 00:37	राहु	03/05/2026 15:53	गुरु	20/06/2026 13:17	शनि	23/07/2026 15:43
राहु	06/04/2026 17:21	गुरु	06/05/2026 11:30	शनि	30/06/2026 02:41	बुध	26/07/2026 05:18
गुरु	13/04/2026 13:33	शनि	09/05/2026 19:47	बुध	08/07/2026 15:56	केतु	27/07/2026 06:39
शनि	21/04/2026 16:32	बुध	12/05/2026 19:37	केतु	12/07/2026 04:27	शुक्र	30/07/2026 07:06

केतु - बुध - चंद्र		केतु - बुध - मंगल		केतु - बुध - राहु		केतु - बुध - गुरु	
30/07/2026 07:06		29/08/2026 11:30		19/09/2026 14:36		12/11/2026 22:32	
29/08/2026 11:30		19/09/2026 14:36		12/11/2026 22:32		31/12/2026 05:36	
चंद्र	01/08/2026 19:28	मंगल	30/08/2026 17:05	राहु	27/09/2026 18:11	गुरु	19/11/2026 09:05
मंगल	03/08/2026 13:43	राहु	02/09/2026 21:09	गुरु	05/10/2026 00:03	शनि	27/11/2026 00:36
राहु	08/08/2026 02:23	गुरु	05/09/2026 16:46	शनि	13/10/2026 14:30	बुध	03/12/2026 20:48
गुरु	12/08/2026 02:58	शनि	09/09/2026 01:03	बुध	21/10/2026 07:14	केतु	06/12/2026 16:25
शनि	16/08/2026 21:40	बुध	12/09/2026 00:53	केतु	24/10/2026 11:18	शुक्र	14/12/2026 17:35
बुध	21/08/2026 04:18	केतु	13/09/2026 06:28	शुक्र	02/11/2026 12:37	सूर्य	17/12/2026 03:32
केतु	22/08/2026 22:33	शुक्र	16/09/2026 18:59	सूर्य	05/11/2026 05:49	चंद्र	21/12/2026 04:08
शुक्र	27/08/2026 23:17	सूर्य	17/09/2026 20:20	चंद्र	09/11/2026 18:29	मंगल	23/12/2026 23:44
सूर्य	29/08/2026 11:30	चंद्र	19/09/2026 14:36	मंगल	12/11/2026 22:32	राहु	31/12/2026 05:36

केतु - बुध - शनि		शुक्र - शुक्र - शुक्र		शुक्र - शुक्र - सूर्य		शुक्र - शुक्र - चंद्र	
31/12/2026 05:36		26/02/2027 13:59		17/09/2027 11:59		17/11/2027 08:59	
26/02/2027 13:59		17/09/2027 11:59		17/11/2027 08:59		26/02/2028 19:59	
शनि	09/01/2027 07:32	शुक्र	01/04/2027 09:39	सूर्य	20/09/2027 13:02	चंद्र	25/11/2027 19:54
बुध	17/01/2027 10:31	सूर्य	11/04/2027 13:09	चंद्र	25/09/2027 14:47	मंगल	01/12/2027 17:56
केतु	20/01/2027 18:48	चंद्र	28/04/2027 10:59	मंगल	29/09/2027 04:00	राहु	16/12/2027 23:11
शुक्र	30/01/2027 08:12	मंगल	10/05/2027 07:04	राहु	08/10/2027 07:09	गुरु	30/12/2027 11:51
सूर्य	02/02/2027 05:01	राहु	09/06/2027 17:34	गुरु	16/10/2027 09:57	शनि	15/01/2028 13:24
चंद्र	06/02/2027 23:43	गुरु	06/07/2027 18:54	शनि	26/10/2027 01:17	बुध	29/01/2028 22:21
मंगल	10/02/2027 08:00	शनि	07/08/2027 21:59	बुध	03/11/2027 16:15	केतु	04/02/2028 20:24
राहु	18/02/2027 22:28	बुध	05/09/2027 15:54	केतु	07/11/2027 05:29	शुक्र	21/02/2028 18:14
गुरु	26/02/2027 13:59	केतु	17/09/2027 11:59	शुक्र	17/11/2027 08:59	सूर्य	26/02/2028 19:59

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रूके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।